श्री विशम्भर प्रसाद निषादः सभापति महोदय, हमारा भारत कृषि प्रधान देश है। पहले घाघ की कहावत थी कि, "उत्तम खेती, मध्यम बान।" हमारा देश पूरी तरह से कृषि पर आधारित देश है। इस समय किसान अपनी कृषि छोड़कर बाहर पलायन कर रहा है, क्योंकि घाटे की खेती हो रही है। हम माननीय मंत्री जी से जानना चाहते हैं कि क्या वे कम पानी की फसलें उगाने के लिए कोई ऐसा इंतजाम करेंगे, जिससे कि किसान को ज्यादा लाभकारी मूल्य मिले और किसान को खुद अपनी खेती का मूल्य निर्धारण करने का अधिकार मिले। केंद्र सरकार कम मूल्य निर्धारित करती है, इसलिए क्या आप किसान को भी उद्योगपतियों की तरह पावर देंगे, उन्हें यह अधिकार देंगे कि किसान अपनी फसल का मूल्य निर्धारित करे?

डा. संजीव कुमार बालियानः माननीय सभापति महोदय, किसान को अभी भी यह अधिकार है कि वह एमएसपी पर अपनी फसल न बेचे। ...**(व्यवधान)**...

श्री के.सी. त्यागीः नहीं है, यह गलत है।

डा. संजीव कुमार बालियानः नहीं, बिल्कुल गलत नहीं है, किसान को अधिकार है। अगर मार्किट में स्टॉक ज्यादा है, तो उस पर कोई कंडीशन नहीं है कि किसान को अपनी फसल एमएसपी पर बेचनी ही है। ...**(व्यवधान)**... वह अलग बात है। ...**(व्यवधान)**... आदरणीय सदस्य ने पूछा था कि क्या अधिकार है? माननीय सदस्य ने अधिकार की बात पूछी थी, वह अलग बात है कि एमएसपी पर बिक रहा है, लेकिन उन्होंने अधिकार की बात कही थी। मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि आज भी किसान को अधिकार है कि किसी भी तरफ, एमएसपी से ज्यादा अपनी फसल को बेच ले, यह अधिकार उसे प्राप्त है। ...**(व्यवधान)**...

श्री विशम्भर प्रसाद सिंहः देखिए, जिस तरह उद्योगपति अपने मूल्य का निर्धारण करता है, ...**(व्यवधान)**... उसी प्रकार किसान को अधिकार होना चाहिए। ...**(व्यवधान)**...

MR. CHAIRMAN: Please sit down. ...*(Interruptions)*... बैठ जाइए ...**(व्यवधान)**... Sit down. Thank you.

श्री भूपिंदर सिंहः सभापति जी ...**(व्यवधान)**...

MR. CHAIRMAN: Please sit down. ...*(Interruptions)*... It is not your question, sit down. Why do you want to speak on every subject? Sit down, please. Has the question been answered?

Ongoing/pending railway projects in Maharashtra

*138. SHRI SANJAY RAUT: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) the present status of ongoing/pending railway projects in Maharashtra, project-wise, on cost-sharing basis between Government of Maharashtra and the Ministry of Railways;

(b) whether Government of Maharashtra has proposed new railway lines/ construction works for balanced socio-economic development of the State on cost-sharing basis; and

(c) if so, the details thereof and Government's response thereto?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI SURESH PRABHU): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) Following ongoing railway line projects including sub-urban projects falling partly or fully in the State of Maharashtra have been taken up on cost sharing basis with the Government of Maharashtra. Details and present status of these projects are as under:

(₹ in crore)

Sl. No.	Name of Project & length	Latest anticipated cost	Expenditure upto March, 2016	Outlay proposed for 2016-17	Present status
1	2	3	4	5	6
1.	Ahmednagar-Beed-Parli Vaijnath (261 km) New Line.	2826	178	402	Ahmednagar-Narayandoh (15 km): Track linking completed.Narayandoh-Parli (246 km): Land acquired for 240 km out of 246 km. Earthwork & bridge works have been taken up.
2.	Wardha-Nanded via Yavatmal-Pusood (270 km) New Line.	2765	150	150	34 km out of 284 km land has been acquired. Bridge works have been taken up.
3.	Wadsa-Gadchiroli (50 km) New Line.	232	70	90	Staking of alignment has been completed and land acquisition has been taken up.
4.	Belapur-Seawood-Uran-electrified double line.	1782	582	120	Land except for a stretch of three Km has been handed over by CIDCO. Works in remaining stretches have been taken up.

1	2	3	4	5	6
5.	Mumbai Urban Transport Project (MUTP) Phase-II	5300	26.16	1262	Rolling stock procurement and construction works have been taken up.
6.	CSTM Panvel/Andheri-Running of 12 coach EMU train on Harbour corridor.	714	31	160	Rolling stock procurement and construction worksc have been taken up.
7.	Mumbai Urban Transport Project (MUTP) Phase-III	1144	0	10	Included in Pink Book subject to Government approval.

In addition, Nagpur-Nagbhir Gauge Conversion (106 km), Karad-Chiplun New Line (112 km). Manmad-lndore (368 km) New Line, Pune-Nashik (265 km) New Line, Chhatrapati Shivaji Terminus (CSTM)-Panvel sub-urban corridor and Mumbai Urban Transport Project (MUTP) Phase-III have also been included in Railway Budgets on cost sharing basis with the Government of Maharashtra subject to requisite approvals.

(b) and (c) Chief Minister, Government of Maharashtra *vide* his letter dated 14.12.2015 has requested to take up 3 New Lines *viz.* Manmad-lndore, Pune-Nashik and Gadchandur-Adilabad on cost sharing basis for socio-economic development of the State. These works have been included in Budget 2016-17 subject to requisite approvals as under:-

Sl. No.	Name of project	Length (Km)	Cost (₹ in crore)	Remarks
1.	Manmad-lndore	368	9968	Included in Pink Book.
2.	Pune-Nashik	265	2425	Included in Pink Book.
3.	Gadchandur-Adilabad	70	1500	Included in Capital Investment Programme of 2016-17

Further, in anticipation of State Governments coming forward to take up projects through Joint Venture, 3 New Line projects falling partly or fully in the State of Maharashtra have been included in Capital Investment Programme of 2016-17 (incorporated as

annexure to the 'Pink Book' of sanctioned works) at an anticipated cost of ₹ 7660 crore. Details of these projects are as under:

Sl. No.	Name of project	Railway Head	Plan (Km)	Length (₹in crore)	Cost	State
1.	Latur-Nanded *via* Loha and Ahmedpur	Central Railway	New Line	155	3100	Maharashtra
2.	Jeur Ashti	Central Railway	New Line	78	1560	Maharashtra
3.	Jalna-Khamgaon	Central Railway	New Line	155	3000	Maharashtra

श्री संजय राउतः सभापति जी, मैं रेल मंत्री जी का अभिनंदन करता हूं कि आप मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन शुरू कर रहे हैं। मैंने जो प्रश्न पूछा है, वह मुम्बई लोकल ट्रेन यात्रियों के लिए घोषित ऑनगोइंग रेलवे प्रोजेक्ट्स के बारे में है। आपने बहुत विस्तार से उत्तर भी दिया है। उसमें बहुत से प्रोजेक्ट्स की बात भी कही है, लेकिन my question is very specific, आपने छत्रपति शिवजी टर्मिनस की रिमॉडलिंग की घोषणा की थी।

श्री संजय राउतः उसके बारे में क्या स्थिति है?

दूसरा, छत्रपति शिवाजी टर्मिनस के बगल में ही आजाद मैदान मैट्रो स्टेशन है, वहाँ आपने पूरा underground rail corridor बनाने की बात की थी। मैं उसकी स्थिति के बारे में भी रेल मंत्री जी से जानना चाहता हूं।

श्री सुरेश प्रभुः सर, मैं सम्मानित सदस्य को बताना चाहता हूं कि छत्रपति शिवाजी टर्मिनस बिल्डिंग के लिए हम अभी second entry का काम शुरू करेंगे। हाल ही में, 21 अप्रैल को हमारे राज्य शासन के सम्माननीय मुख्य मंत्री के साथ काफी लंबी बातचीत हुई है और इसमें हमने काफी समस्याओं को हल करने के लिए रास्ता ढूंढ़ लिया है। छत्रपति शिवाजी टर्मिनस में 7 buildings होंगी, जो शिवाजी महाराज के पोर्ट की थीम के ऊपर होंगी। इसका सेंट्रल डोम 30 मीटर x 30 मीटर होगा। वहाँ उनकी एक statue भी लगाई जाएगी। 6 buildings, जो 20 मीटर x 20 मीटर each की रहेगी। Underground basement में two storeyed 70 मीटर x 300 मीटर की basement बनाई जाएगी and Central dome to be retained by the Railways because of the Heritage site. Remaining 6 buildings में PPP model पर काम किया जाएगा। इसका मॉडल J.J. School of Arts, जो हमारे देश की एक सबसे अहम संस्था है, उसने बनाया है।

साथ ही, सम्मानित सदस्य ने जो कहा, वह बिल्कुल सही है कि Western Railways and Central Railways मुम्बई की lifeline हैं। जो लोग Western Railway से आते हैं, वे चर्च गेट तक पहुंच जाते हैं और जो लोग Central Railway से आते हैं, वे छत्रपति शिवाजी टर्मिनस तक पहुंच जाते

हैं। आज उनको आपस में जोड़ने का कोई प्रबन्ध नहीं है। इसलिए हमने तय किया है कि एक underground tunnel बना कर उन दोनों को जोड़ा जाए।

साथी ही, मैं यह कहना चाहता हूं कि पहली बार मेट्रो की e-ticket के ऊपर ट्रेन, BEST बस और shared Taxi के सभी लोग सफर कर पाएँगे। हमने यह एक बहुत ही नई पहल शुरू की है। मुझे लगता है कि लोगों को इसका लाभ जरूर मिलेगा।

श्री संजय राउतः चेयरमैन सर, मंत्री जी का उत्तर और घोषणाएं भी अच्छी हैं और हम आशा करते हैं कि काम शुरू हो जाएगा। रेल मंत्रालय ने महाराष्ट्र में लगभग 40 Wi-Fi stations बनाने की बात की थी। बाद में इनमें और 15 स्टेशंस को बढ़ाने की भी बात हुई थी। मैं मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि ये 15 स्टेशंस कौन से हैं और ये Wi-Fi stations कब बनेंगे?

श्री सुरेश प्रभुः सर, Wi-Fi लगाने के लिए हम दो तरीके से काम कर रहे हैं। एक तो हमारे देश में जो 400 major stations हैं, वहां पर गूगल के साथ Wi-Fi लगाया जाएगा। इसे कहने में मुझे खुशी होती है और इससे सम्मानित सदस्य भी खुश होंगे कि इसक शुरूआत मुम्बई सेंट्रल स्टेशन से की गई थी, यानी जो देश का सबसे पहला स्टेशन चुना गया, वह मुम्बई सेंट्रल ही था। आगे आने वाले दिनों में भी हम यह काम करेंगे। अभी इसकी जो exact list है, अगर आप चाहें, तो मैं आपको दे दूँगा, लेकिन साथ ही गूगल के साथ-साथ हम लोग और भी अलग-अलग ऑपरेटर्स की तरफ से भी Wi-Fi लगा रहे हैं। गूगल का जो काम है, उसके बारे में गूगल का कहना है कि गूगल विश्व की एक बड़ी कंपनी है और पूरे विश्व में जब यह काम अगले साल पूरा होगा, तो इससे ज्यादा स्पीड का public Wi-Fi कोई नहीं होगा। यह जहां भी लगाया जाएगा, परसों हमने भुवनेश्वर में भी लगाया, विशाखापट्टनम में भी लगाया, वहां के लोगों का भी यही कहना है कि आज public Wi-Fi में हमने गूगल का जो Wi-Fi शुरू किया है, वह सबसे fast चलने वाला Wi-Fi है।

श्री विजय जवाहरलाल दर्डाः सर, सबसे पहले मैं रेल मंत्री, सुरेश प्रभु जी की प्रशंसा करता हूं और उनको धन्यवाद देता हूँ कि उन्होंने पहली बार स्टेट्स से पूछा है कि उनकी priorities क्या हैं। उन priorities के तहत उन्होंने महाराष्ट्र के अन्दर भी गवर्नमेंट ऑफ महाराष्ट्र के साथ joint venture agreement sign किया है। बताया जाता है कि वे उसको करीब 10 हजार करोड़ रुपए देने वाले हैं। उन्होंने उनसे पूछा है कि उनकी priorities क्या हैं और priorities के हिसाब से वह अपनी रेल लाइन खुद तय करे। इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूँ।

सर, मैं एक विषय की तरफ आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि विदर्भ और मराठवाड़ा, किसानों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। वहां हजारों लोगों ने आत्महत्या की है, लेकिन जो वर्धा-यवतमाल-नांदेड़ परियोजना है, जिसका उस समय के माननीय रेल मंत्री, लालू प्रसाद जी ने 11 फरवरी, 2009 को भूमिपूजन किया था, मैं जानना चाहता हूं कि उसका काम अभी तक 3.1 प्रतिशत क्यों हुआ है? मैं यह कहना चाहता हूं कि उस समय से land acquisition में जो प्रॉब्लम आ रही है, तो क्यों नहीं आप

जिस प्रकार से हंसराज गंगाराम अहीर जी ने पूल के अन्दर उनकी जमीनें लीं, उनको मुआवजा दिया, उसी प्रकार से आप भी करें? साथ ही साथ, मैं यह भी पूछना चाहता हूं कि आप यह परियोजना कब तक complete करेंगे? क्या विदभ और मराठवाड़ा पर प्रभु जी की कृपा हो जाएगी, क्योंकि प्रभु एक बार प्रसन्न हो जाएँ, तो सब कुछ हो जाता है, ऐसा मैं मानता हूँ।

श्री सुरेश प्रभु: सर, इन्होंने जिस परियोजना की बात की है, यह परियोजना Wardha-Nanded *via* Yavatmal and Pusood है, Yavatmal एक सूखाग्रस्त इलाका भी है, जहां किसानों ने बहुत बड़ी मात्रा में खुदकुशी भी की है, इसलिए हमारे लिए इस लाइन की बहुत प्राथमिकता है। आज out of 284 kilometers, 34 kilometers जगह एक्वायर कर ली गई है।

सर, आपकी अनुमति से मैं एक-दो मिनट में अपनी बात कहना चाहता हूं, ताकि लोगों को इस मामले की पूरी जानकारी मिल सके। महाराष्ट्र में हम लोगों ने कुल मिलाकर 35 प्रोजेक्ट्स, जिनका कुल निवेश 52,614 करोड़ रुपए होगा, हाथ में लिए हैं। इनके साथ सात नये प्रोजेक्ट्स और हैं, जिनके बारे में 21 अप्रैल को मुख्य मंत्री जी से हमारी मीटिंग हुई थी। उन प्रोजेक्ट्स के लिए 18,984 करोड़ रुपये का बजट है। सब मिलाकर महाराष्ट्र में 52,614 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स पर काम करने के लिए राज्य सरकार और केन्द्र सरकार मिलकर एक नई कंपनी बनाने जा रही हैं। इसके बारे में विस्तृत चर्चा बाद में की जायेगी। वह कंपनी कुछ ही दिनों में बन जाएगी। इसके साथ ही, जैसा अभी संजय राउत जी ने पूछा, मुम्बई के लिए अतिरिक्त 19,237 करोड़ रुपये और, 35,000 करोड़ रुपये के खर्च से प्रोजेक्ट्स बनाए जाएंगे, यानी हमने बहुत बड़ी मात्रा में मुम्बई, महाराष्ट्र में निवेश करने की शुरूआत की है। इसमें लैंड एक्वायर करने के लिए जो दिक्कतें आती हैं, उसके लिए रेलवे ऐक्ट तो है ही, लेकिन फिर भी हमने राज्य सरकार से यह कहा है कि जो मुआवजा राज्य सरकार उचित मानती है, रेल मंत्रालय उनको वह मुआवज़ा देने के लिए तैयार रहेगा।

श्री विजय जवाहरलाल दर्डा: क्या आपके रहते हुए यह काम पूरा हो जाएगा?

MR. CHAIRMAN: Dr. Vijaylaxmi Sadho. ...*(Interruptions)*... Let the next question be put.

डा. विजयलक्ष्मी साधौ: सर, माननीय रेल मंत्री जी ने राज्य सरकार के साथ cost sharing basis के आधार पर बजट में कुछ नई रेलवे लाइनें स्वीकृत की हैं। महाराष्ट्र के मुख्य मंत्री जी ने इसके लिए परमिशन भी दे दी है।

मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहती हूं, एक लाइन Manmad to Indore जाती है, जिसमें मध्य प्रदेश का का भी काफी एरिया आता है। वह एरिया कितने किलोमीटर है? क्या मध्य प्रदेश सरकार के मुख्य मंत्री जी ने इसके लिए अनुमति दे दी है? अगर दे दी है, तो उसके लिए आपने कितनी धनराशि आबंटित की है?

श्री सुरेश प्रभुः यह महाराष्ट्र की योजना के तहत आता है और यह बात सही है कि जो Manmad to Indore रेलवे लाइन है, यह लाइन Dhule से जाएगी। बहुत लम्बे समय से इस लाइन की जरूरत थी। यह बात सही है कि उसमें कुछ हिस्सा मध्य प्रदेश में जाता है, इसलिए इसमें अलग तरीके से काम करने के लिए हम मध्य प्रदेश की सरकार से बातचीत कर रहे हैं। मुझे लगता है कि इसमें Tripartite Agreement करने की आवश्यकता होगी, क्योंकि महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और रेल मंत्रालय मिलकर इस कार्य को करेंगे। इस योजना की घोषणा इस बजट में भी कर दी गई है और इसको pink book में इन्क्लूड कर दिया गया है। जब तक किसी योजना को pinkbook में इन्क्लूड नहीं किया जाता, तब तक उसके ऊपर कार्यवाही नहीं की जाती है, इसलिए हमने इस योजना को pinkbook में इन्क्लूड कर दिया है।

MR. CHAIRMAN: Thank you. Shri Husain Dalwai. ...*(Interruptions)*... Allow Mr. Dalwai to put his question.

श्री हुसैन दलवईः सर, मंत्री महोदय ने अपने उत्तर में कहा है कि Karad-Chiplun rail line 112 kilometer की है, जिसे करने की उनकी योजना है। आज Guhagar में industrial development हो रहा है। Gughar समुद्र के किनारे है। क्या आप Karad-Chiplun Railway line को Guhagar तक लेकर जाएंगे? क्या आपने इसके लिए बजट में कोई प्रोविज़न रखा है और क्या इसके लिए भूसंपादन किया जा रहा है?

श्री सुरेश प्रभुः Karad-Chiplun railway line को PPP मॉडल पर बनाया जाएगा, इसीलिए इसका RFQ जल्दी कर दिया गया था। इस प्रोजेक्ट को Konkan Railways implement कर रही है। उसके लिए जो भी आवश्यक कार्यवाही है, वह Konkan Railway की तरफ से की जाएगी। इस लाइन का एलाइनमेंट करने के लिए बहुत सारे स्थानों पर बोरिंग करवाई जा रही है। It has to pass through the mountain. इसके लिए land acquisition का इश्यू इतना सीरियस नहीं होगा, क्योंकि यह लाइन पर्वत के नीचे से ही चली जाएगी। आपने यह बात बिल्कुल सही कही कि महाराष्ट्र में 720 किलोमीटर की दूरी समुद्र के किनारे पर ही है। जब तक रेल की कनेक्टिविटी पोर्ट तक नहीं बनती है, तब तक industralization की जो बात आपने कही है, वह सही मायने में नहीं हो पाएगी। हमने इसमें यह काम includer किया है, इसीलिए Karad-Chiplun के आगे Jaigad में जो port development का काम हो रहा है, वह भी PPP Model पर ही हो रहा है। Jaiga Port को कनेक्ट करने में इसका एक बहुत बड़ा योगदान है।

MR. CHAIRMAN: Question 139.